सामाजिक परिवर्तन की ओर उत्कृष्ट आंदोलन ब्रह्माकुमारीज़

मूल्यनिष्ठ दृष्टिकोण के बिना समाज परिवर्तन संभव नहीं : राज्यपाल कोहली

कार्यक्रम के दौरान सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर। साथ हैं वी.के. सारस्वत, कविन्द्र गुप्ता, ब्र.कु. रानी, ओ.पी. कोहली तथा ब्र.कु. चक्रधारी। सभा में विशाल संख्या में लोग ध्यानपूर्वक सुनते हुए।

शांतिवन। ब्रह्माकुमारी संस्था अद्वितीय व बेमिसाल है। ब्रह्माकुमारीज़ एक सामाजिक परिवर्तन का आंदोलन है। राजनीतिक आंदोलन करना आसान होता है, लेकिन आध्यात्मिक आंदोलन की राह बहुत कठिन होती है। ब्रह्माकुमारीज़ के इस समाज को बदलने के आंदोलन को मैं नमन करता हूँ।

गुजरात के राज्यपाल ओ.पी. कोहली को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर तथा शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय।

उक्त उद्‌बोधन गुजरात के राज्यपाल ओ.पी. कोहली ने प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन एवं सांस्कृतिक महोत्सव में व्यक्त किये। राज्यपाल कोहली ने पर्यावरण, विज्ञान, अध्यात्म और परंपराओं के संरक्षण, उनके पुनर्जीवन एवं स्त्री शिक्षा का समावेश करते हुए इसे जन आंदोलन का रूप देने वाली संस्था के रूप में इस पहल की तारीफ की। उन्होंने बढ़ते भौतिकवाद, अलगाववाद पर चिंता जताते हुए कहा कि परिवर्तन का यह आंदोलन ब्रह्माकुमारीज़ की शिक्षाओं के माध्यम से ही हो सकता है। उपभोक्तावाद हर क्षेत्र में हावी हो गया है, ऐसे में आज ज़रूरत है परमपिता के प्रकाश को महसूस करते हुए अपने जीवन को रूपांतरित करने की। परिवर्तन की यह शुरुआत परमपिता की सत्ता और उसमें असीम आस्था से ही हो सकती है। हम जिन्हें जीवन मूल्य कहते हैं, वे सब इसी पर आधारित हैं। व्यक्ति को यह समझने की मूल्यदृष्टि दी जाए कि वह किसे चुने, किसे नहीं चुने। भारत का समाज बेहतर व आध्यात्मिक बने, इसके लिए ऊँचे संस्कार और मूल्यों की शिक्षा ज़रूरी है। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना की पुनर्स्थापना ज़रूरी है।

ब्रह्मा बाबा ने पृथ्वी पर स्वर्ग की स्थापना कर दी: भीखू संघसेना

अंतर्राष्ट्रीय महाबोधि योग केंद्र लद्दाख के संस्थापक एच.एस. भीखू संघसेना ने कहा कि महिलाएँ जीवन के किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं, यह ब्रह्माकुमारीज़ ने साबित कर दिया है। इसके संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा ने पृथ्वी पर स्वर्ग की स्थापना कर दी। स्वर्ग और नर्क मस्तिष्क की ही अवस्थाएँ हैं। यहाँ आकर हम अद्‌भुत स्वर्ग की अनुभूति करते हैं। हम सब खुशियाँ बाहर ढूंढ़ते हैं, मगर यह हमारे भीतर ही छिपी हैं।

साधना के साथ शक्ति ज़रूरी: कवीन्द्र गुप्ता

जम्मू-कश्मीर के विधानसभा अध्यक्ष कवीन्द्र गुप्ता ने कहा कि 80 वर्ष पहले जो पौधा लगाया था, आज वो वटवृक्ष बन गया है। हमारे जीवन में साधना के साथ शक्ति होनी ज़रूरी है। आज विश्व में भारत के प्रति सम्मान बढ़ा है। हमारी माताओं व शिक्षकों को राष्ट्र निर्माण में आगे आना होगा।

परमात्मा कर रहे संस्था का संचालन: वी. ईश्वरैया

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व न्यायाधीश वी. ईश्वरैया ने कहा कि जो खुद को और खुदा को नहीं जानते हैं, वे ही नास्तिक हैं। खुद को समझने, अर्थात् आस्तिक बनाने का काम ब्रह्माकुमारी संस्थान कर रहा है। इस संस्था का संचालन स्वयं सर्वशक्तिमान, निराकार परमात्मा कर रहे हैं। परमात्मा तो अजन्मा, अभोक्ता, अकर्ता हैं। वह प्रजापिता ब्रह्मा बाबा के तन का आधार लेकर नई सतयुगी दुनिया की स्थापना का कार्य करते हैं।

दुनिया को अध्यात्म की ज़रूरत: डॉ. वी.के. सारस्वत

रक्षा मंत्रालय के सलाहकार व पूर्व डायरेक्टर जनरल डी.आर.डी.ओ. व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी.के. सारस्वत ने कहा कि मैं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. अब्दुल कलाम के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज़ के संपर्क में आया। उनके जीवन में साइंस और अध्यात्म का अद्‌भुत संयोजन था। हमने मानव मन पर अध्यात्म के प्रभाव का अध्ययन भी किया। आज दुनिया को अध्यात्म ज्ञान की बेहद आवश्यकता है।

मीडिया के कुछ विशिष्ट व्यक्तियों ने भी रखे अपने विचार-

- पी.टी.सी. न्यूज़ के ग्रुप एडिटर शैलेष कुमार ने कहा कि पत्रकार के तौर पर मैंने धार्मिक संस्थाओं को नज़दीक से देखा है। सच पूछो तो दुकान और बाज़ार ही दिखता है। लेकिन यह संस्थान आज भी सिर्फ और सिर्फ सामाजिक संस्थान के रूप में है। मैं इसके लिए दादी को नमन करता हूँ। आज लोगों को ओम् शांति की बहुत ज़रूरत है।

- दिशा टी.वी. की एम.डी. डॉ. अर्चिका ने कहा कि इस धरती पर जिया कैसे जाए यह मनुष्य ने सीखा ही नहीं है। सुख, समृद्धि का आधार शांति है। शांति के बिना कुछ भी नहीं। इस समय मनुष्य को शांति की ज़रूरत है, वह मुस्कुराना भूल गया है। आगे बढ़ना चाहते हो तो शांत होना सीखो। वर्ल्ड ट्रांसफॉर्मेशन चाहते हैं तो इनर ट्रांसफॉर्मेशन शुरू कीजिए। चीज़ो को पकड़ कर मत बैठिये, माफ करना सीखिये।

- सब टीवी ग्रुप के वाइस चेयरमैन व मैनेजिंग डायरेक्टर मार्कंडेय अधिकारी ने कहा कि आज जहाँ परिवार की परिभाषा व परिधि दिनों दिन सिमटती जा रही है, ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ परिवार की जितनी तारीफ की जाए, कम है। आज के वैश्विक, वैचारिक संकट के दौर को बचाने में संस्था का प्रयास बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने मीडिया से आह्वान किया कि सभी पत्रकार व मीडिया देश में जो कुछ अच्छा हो रहा है, उसे पॉज़ीटिव रूप में दिखाना चाहिए।

- गवर्नेंस नाउ के निदेशक कैलाश अधिकारी ने कहा कि खुशी हमारे भीतर है जो आज व्यक्ति भूल चुका है। सांसारिक परेशानियों से समय निकाल कर आत्म-चिंतन के लिए समय ज़रूर निकालें। अंतर्मन ही पीस ऑफ माइंड है।

रक्षा मंत्रालय के सलाहकार व पूर्व डायरेक्टर जनरल डी.आर.डी.ओ. व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. वी.के. सारस्वत को मोमेन्टो भेंट कर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. निर्वैर तथा ब्र.कु. मृत्युंजय।

इसका एहसास ब्रह्माकुमारीज़ में होता है।

स्वागत नृत्य से की शुरुआत

कार्यक्रम के आरंभ में रजनीराजा कलाक्षेत्रम् विजयनगरम की छात्राओं ने स्वागत नृत्य 'सत्यम्, शिवम्, सुंदरम्' प्रस्तुत किया। इसके बाद चेन्नई के ख्यातिप्राप्त गायक रामू महाराजापुरम ने गीत सुनाया। शांतिवन के चार्टर्ड एकाउंटेंट ब्र.कु. ललित ने आये हुए सभी अतिथियों का स्वागत किया। महासविच राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर ने संस्थान के 80 वर्षों के संस्मरण सुनाते हुए कहा कि बाबा ने शुरू से ही नारी शक्ति को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान यूथ विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. चंद्रिका ने सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। मेडिकल विंग के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. बनारसीलाल शाह ने आभार प्रदर्शित किया। मीडिया की इन शख्सियतों को संस्था के अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने सम्मानित किया।

माननीय राज्यपाल के आगमन पर उनके स्वागत में नृत्य करते हुए भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आई कलाकार बालिकाएं।